B.A. Part-I Hons session 2019 -20
Girija uranw Deptt of Psy Paper IInd
R.M.C. Sasaram

3 नाटकीकरण (Dramatization) यह एक ऐसी स्वप्न रचना है जिसके द्वारा व्यक्ति की अचेतन इच्छाएं स्वप्न में अमूर्त रूप में न आकर मूर्त रूप में आती है। अर्थात जिस प्रकार नाटक में हम किसी दृश्य को देखते भी हैं और सुनते भी हैं तथा एक दृश्य के बाद दूसरा और दूसरे के बाद तीसरा आता है। इसी तरह की बातें स्वप्न में भी देखने को मिलती है। स्वप्न में देखते हुए चित्र दृश्य, श्रव्य, स्वाद एवं स्पर्श संबंधि होते हैं। अतः नाटकीकरण के कारण भी स्वप्न देखनेवाले की इच्छाएं

Scanned with CamScanner

विकृत रूप धारण कर लेती है और स्वप्न देखनेवाले को या सुननेवाले को साधारण तौर पर स्वप्न का कुछ भी अर्थ स्पष्ट नहीं हो पाता है।

4. प्रतीकीकरण (Symbolization) — फ्रायड ने बताया है कि स्वप्न में अचेतन की दमित इच्छाएं हू-ब-हू नहीं निकल पाती है क्योंकि ईगो का प्रतिबन्ध रहता है। पर जब ये भेष बदलकर प्रतीकों के माध्यम से बाहर निकलती है तो उसे आपत्ति नहीं होती। अतः स्वप्न में स्वप्न के अव्यक्त विषय प्रतीकों के माध्यम से व्यक्त विषय में आते हैं और इसलिए वह भी हमारा स्वप्न बेतुका एवं अतार्किक दिखाई देने लगता है तथा उसका वह अर्थ नहीं होता जो प्रायः लोग लगाते हैं। फ्रायड ने अपनी पुस्तक में कुछ प्रतीकों का वर्णन किया है तथा कहा है कि ये विश्वजनीन होते हैं। उनके द्वारा बताए गए कुछ मुख्य प्रतीक निम्नलिखित हैं — बोतल, नाव, जहाज, सन्दूक, डब्बा, कुंड, गुफा आदि को स्त्री लिंग का प्रतीक माना है। बन्दूक, साँप, हथियार, डंडा, छड़ी, टाई, कलम आदि को पुरुष लिंग का प्रतीक माना है। चढ़ना, उतरना, यात्रा करना, तैरना, नाचना आदि को यौन समागम का प्रतीक माना है। आम, अमरूद, बेल आदि फलों को स्तन का प्रतीक माना है। छोटे-छोटे जीव जन्तु एवं कीड़े-मकोड़े को भाई-बहन का प्रतीक माना है। ईश्वर या राजा माता-पिता का प्रतीक माना है आदि।

5. पश्चात्-विस्तारण (Secondary elaboration) — स्वप्न की धाराएं प्रायः निरर्थक एवं अतार्किक मालूम पड़ती है पर

जागने पर व्यक्ति प्रायः उसे तार्किक एवं संगतपूर्ण बनाने की कोशिश करता है तथा अपने मित्र के समक्ष वर्णन करता है। ऐसी स्थिति में वह स्वप्न की बिखरी हुई या भूली हुई कड़ियों को समेट देता है। यह पश्चात विस्तारण की क्रिया हुई। इसके कारण स्वप्न सार्थक और सुबोध उपरी तौर पर हो जाता है पर ऐसे स्वप्नों से स्वप्न के अव्यक्त विषय का पता करना प्रायः कठिन हो जाता है। वास्तव में अव्यक्त विषय की जानकारी स्वप्न विश्लेषण से ही हो सकती है।

Scanned with CamScanner